टानीखेत नहर में पानी न चलने से काश्तकार परेशान

महिलाओं ने किया एसडीओ का घेराव

- नहर में पानी न चलने से नाराज, विभाग को सुनाई खरी-खोटी
- ज्ञापन सौंप कर दी भूख हड़ताल की चेतावनी

गरुड़

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

तहसील के टानीखेत नहर में पानी न चलने से सिल्ली गांव की महिलाओं का पारा सातवें आसमान पर चढ़ गया। आक्रोशित महिलाएं सिंचाई विभाग के कार्यालय में आ धमकी और उन्होंने विभाग के एसडीओ का घेराव किया। ज्ञापन सौंप कर काश्तकारों ने भूख हड़ताल करने की चेतावनी दी।

सिल्ली की ग्राम प्रधान सीमा पांडे के नेतृत्व में शुक्रवार को सिल्ली के काश्तकार व महिलाएं सिंचाई विभाग के कार्यालय पहुंचे और उन्होंने टानीखेत नहर में पानी न चलने पर गहरी नाराजगी जताई और एसडीओ का घेराव किया। इस मौके पर महिलाओं की एसडीओ से तीखी नोकझोंक हो गई। काफी समझाने-बुझाने के बाद महिलाएं मानीं। इसके बाद महिलाओं और काश्तकारों ने एसडीओ को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में काश्तकारों ने कहा है कि टानीखेत नहर तीन साल से क्षतिग्रस्त है। विभाग अब तक उसकी मरम्मत तक नहीं करा पाया है। इसके चलते नहर में पानी नहीं चल पाया है जिससे काश्तकारों की फसल सूख चुकी है। उन्होंने एसडीओ से कहा कि विभाग या तो नहर में पानी चलाए या उन्हें मुआवजा दे या फिर काश्तकारों से रकम न ले। उन्होंने इस मौके पर कत्यूर घाटी को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग भी उठाई। साथ ही चेतावनी देते हुए कहा कि यदि विभाग ने एक माह के भीतर नहर की मरम्मत नहीं करायी तो काश्तकार भूख हड़ताल करने को बाध्य होंगे। इस दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्य धनी देवी, नवयुवक मंगल दल के अध्यक्ष गणेश पांडे, कमला खोलिया, बसन्ती खोलिया, गुड्डी खोलिया, शांति देवी, राधा खोलिया, सावित्री देवी आदि मौजूद थे।

भनोली–पनार पंपिंग योजना से मिला पानी

अल्मोड़ा

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

भनोली सैमधुरा क्षेत्रवासियों की 25 वर्षों से भी अधिक पुरानी पानी की मांग शुक्रवार को उस समय पूरी हो गई, जब भनोली-पनार पंपिंग योजना से पांच इंच मोटा पानी सफलतापूर्वक सैमधुरा क्षेत्र में चढ़ गया। इसके बाद से क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। उल्लेखनीय है कि सैमधुरा क्षेत्र में सफलतापूर्वक पानी चढ़ने पर जहां लोगों को पानी की सुविधा का लाभ मिलेगा, वहीं काश्तकारों को कृषि उत्पादन में भी लाभ मिलने के साथ-साथ सिंचाई की सुविधा भी प्राप्त होगी।

जिला पंचायत अध्यक्ष पार्वती मेहरा ने इसके लिए पूर्व सीएम हरीश रावत और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल का आभार जताते हुए उनके अथक प्रयासों की सराहना की। इधर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मोहन सिंह मेहरा, ब्लाक प्रमुख धौलादेवी पीतांबर पांडे, ब्लाक अध्यक्ष धौलादेवी मोहन सिंह संगवाल, सामाजिक कार्यकर्ता गोविंद सिंह सिजवाली, संजू सिजवाली, रमेश कांडपाल, महेंद्र सिंह बिष्ट, ठेकेदार सुंदर सिंह मेहरा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य आनंद प्रसाद, चंद्रशेखर बिष्ट सहित क्षेत्र के समस्त पंचायत व जन प्रतिनिधियों ने धन्यवाद ज्ञापित किया है। इसके साथ ही संबंधित विभाग के समस्त अधिकारियों का भी आभार जताया है।

संक्षिप्त

पुण्यतिथि पर स्व. गोपाल बाबू गोस्वामी का भावपूर्ण स्मरण

अल्मोड़ा। गोपाल बाबू गोस्वामी सांस्कृतिक कला समिति अल्मोड़ा की बैठक में प्रसिद्ध लोक गायक स्व. गोपाल बाबू गोस्वामी का पुण्य तिथि पर भावपूर्ण स्मरण किया गया। वक्ताओं ने कहा कि 55 वर्ष की आयु तक उन्होंने अपने लोक गीतों की छाप जनता के बीच छोड़ी थी। इस मौके पर उनकी धर्मपत्नी चंद्रा गोस्वामी, पुत्र आशीर्वाद गोस्वामी, गायक अमित गोस्वामी, पुत्र वधु अभिलाषा गोस्वामी, रोहित रावत, राजू चौहान, कलावती देवी, गीता मेर, नवाज खान, बिट्टू कर्नाटक आदि मौजूद थे।

शांतिभंग में दो गिरफ्तार

अल्मोड़ा। पुलिस ने जमीनी विवाद के चलते आपस में भिड़े दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। चौकी प्रभारी बेस संतोष देवरानी ने बताया कि अनिल कनवाल पुत्र स्व. पान सिंह निवासी खत्याड़ी तथा राकेश बिष्ट पुत्र स्व. पूरन सिंह निवासी बाड़ी बल्टा को शांति व्यवस्था भंग किये जान पर 151/107/116 सीआरपीसी के अंतर्गत गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई गई है।

पल्स पोलियो अभियान में की सहभागिता

अल्मोड़ा। भारत सरकार द्वारा शून्य से पांच वर्ष के बच्चों के लिए आयोजित पल्स पोलियो अभियान में नेहरू युवा केंद्र के राष्ट्रीय स्वयं सेवक महिपाल जोशी ने सहभागिता की तथा बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई। स्वयंसेवक ने नौनिहालों के माता-पिता से बच्चों को 5 वर्ष तक पोलियो की खुराक पिलाने की अपील की तथा जन-जन तक पल्स पोलियो जन जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया।

दून में ठेकेदारों पर हुए लाठीचार्ज की निंदा

अल्मोड़ा। हिमालयन वेलफेयर कांट्रेक्टर एसोसिएशन के सदस्यों ने दून में ठेकेदारों पर हुए लाठीचार्ज को लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए कड़ी निंदा की है। साथ ही लाठीचार्ज में लिप्त दोषियों को शीघ्र सजा देने की मांग उठाई है। चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी मांग पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो समस्त ठेकेदार लोनिवि कार्यालय में तालाबंदी सहित उग्र कदम उठाने को विवश होंगे। कांट्रेक्टर एसोसिएशन की बैठक में वक्ताओं ने देहरादून में हुए ठेकेदारों पर लाठीचार्ज की घोर भर्त्सना करते हुए इस प्रकार के कृत्य को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करने की बात कही। प्रदेश के विकास प्रहरी कहे जाने वाले ठेकेदारों के साथ हो रहे दमनात्मक अत्याचारों को संगठन सहन नहीं करेगा। यदि दोषियों को शीघ्र सजा नहीं दी गईं तो ठेकेदार उग्र आंदोलन कर लोक निर्माण विभाग में तालाबंदी करने को बाध्य होंगे। नाराजगी जताने वालों में कांट्रेक्टर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष कुंदन सिंह बिष्ट, राजेंद्र सिंह कनवाल, पृथ्वीराज सिंह मटेला, सुरेंद्र सिंह मेहरा, नवाज खान, पूरन चंद्र पालीवाल शामिल रहे।

पालिका में विलय के खिलाफ ग्रामीणों का धरना सात से

अल्मोड़ा। गांव बचाओ संघर्ष समिति की बैठक में वक्ताओं ने नगर के समीपवर्ती गांव पंचायतों को पालिका में मिलाए जाने पर कड़ा एतराज जताते हुए सरकार के निर्णय की भर्त्सना की। साथ ही तय किया कि ग्रामीणों के हक-हकूकों के लिए सात फरवरी से गांधी पार्क में धरना-प्रदर्शन किया जायेगा। किसी भी सूरत में पालिका में विलय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में केपी जोशी हरीश लाल, अंबी राम, चंदन रावत मदन डांगी, मीरा देवी, दीपा, पूरन सिंह बिष्ट, योगी सुंदर नाथ, नरेंद्र प्रसाद आदि लोग मौजूद रहे।

पुलिस ने दी स्वरोजगार का प्रशिक्षण व कानूनी जानकारी

अल्मोड़ा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा पी. रेणुका देवी ने जनपद के समस्त थाना प्रभारियों के थाना क्षेत्र में पड़ने वाले एक-एक गांव को सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत गोद लेने के निर्देश दिए थे। इस क्रम में गोद लिये गये गांवों में स्थानीय पुलिस द्वारा ग्रामीणों का कानूनी पहलुओं पर उचित मार्गदर्शन किया गया। पुलिस ने कानून, पुलिसिंग, यातायात, नशे के दुष्प्रभाव, बाल अपराधों, महिला अपराधों व अधिकारों, बैंक धोखाधड़ी, साइबर अपराधों आदि पर महत्वपूर्ण जानकारी ग्रामीणों को दी। इसके अलावा दन्या के उप निरीक्षक मोहन सिंह, निखिलेश बिष्ट, रेखा बिष्ट, ज्योति द्वारा फल्याट में महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई आदि रोजगारपरक कार्यक्रमों का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में ग्रामीण महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया।

ठेकेदारों ने ठोके लोनिवि कार्यालय में ताले

बागेश्वर। राजकीय ठेकेदार संघ ने मांगों को लेकर लोनिवि कार्यालय में तालाबंदी की। इस मौके पर ठेकेदारों ने नारेबाजी करते हुए उनकी मांग पूर्ण करने पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष जगदीश पाठक के नेतृत्व में आयोजित तालाबंदी कार्यक्रम में ठेकेदारों ने विभाग पर लंबित देयकों के भुगतान में उदासीनता बरतने का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले कार्यों के रिफण्ड ठेकेदारों को लौटाये जाएं। साथ ही डेढ़ करोड़ तक के कार्यों के लिए इ-टेण्डरिंग व्यवस्था खत्म की जाए। वक्ताओं ने देहरादून में ठेकेदारों पर लाठीचार्ज किये जाने का विरोध किया। भविष्य में इस प्रकार की कार्रवाई होने पर उग्र आन्दोलन की चेतावनी दी। तालाबंदी कार्यक्रम में संजय नेगी, सुरेश खेतवाल, महेश खेतवाल, नवीन परिहार, भुवन लोहनी, रवि गढ़िया, प्रेम खेतवाल सहित दर्जनों ठेकेदार शामिल रहे।

अराजक तत्वों ने हजारों की बैटरियों पर किया हाथ साफ

श्रीरीठासाहिब (चंपावत)। मीठे रीठे के लिए प्रसिद्ध गुरुद्वारा रीठा साहिब में अराजक तत्वों का आतंक दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। इससे गुरुद्वारा प्रबंधक व क्षेत्रीय जनता को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ताजा वारदात में अराजक तत्वों ने रीठासाहिब गुरुद्वारा रोड पर लगी स्ट्रीट लाइटों की तीन बैटरियों पर हाथ साफ कर लिया जिनकी कीमत 60 हजार रुपए बताई जा रही है। हालांकि स्थानीय लोगों ने अभी तक इसकी जानकारी पुलिस प्रशासन को नहीं दी है।

लोगों ने अनुसार यह लाइटें जिला योजना के तहत 2017 में लगाई गई थी जिससे लोगों व राहगीरों को काफी सुविधा मिल रही थी। परंतु अराजक तत्वों द्वारा हजारों की कीमत की बैटरियों पर हाथ साफ कर लिया। स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत जिला पंचायत सदस्य भोला बोहरा से की है। उन्हीं के सहयोग से यह स्ट्रीट लाइटें लगाई गई थी। जिला पंचायत सदस्य बोहरा का कहना है कि इसकी शिकायत पुलिस प्रशासन से की जाएगी। जिपं सदस्य व ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से अराजक तत्वों पर लगाम लगाने व बैटरी चोरों का पता लगाने की मांग की है।

जनपद के 81 विद्यालयों में चलेगा राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण

अल्मोड़ा

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते शिक्षा विभाग के अधिकारी।

- विभिन्न विद्यालयों में फील्ड इंवेस्टीगेटर्स ले रहे प्रशिक्षण

राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण-कक्षा 10 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनपद अल्मोड़ा में कुल 81 विद्यालयों में पांच फरवरी को अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान एवं हिंदी के कक्षा 10 में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का उपलब्धि सर्वेक्षण-परीक्षा आयोजित किया जा रहा है। 81 विद्यालयों में से 65 विद्यालय राजकीय, 10 विद्यालय सहायता प्राप्त, 5 मान्यता प्राप्त तथा एक विद्यालय आईसीएसई बोर्ड का हैं।

परीक्षा को सफलता पूर्वक संचालित कराने हेतु प्रत्येक चयनित माध्यमिक विद्यालयों में दो-दो एफआई (फील्ड इन्वेस्टीगेटर्स) को प्राथमिक स्तर से नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक विकास खंड हेतु उपजिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं तहसीलदार में से दो-दो पर्यवेक्षकों को जिलाधिकारी ईवा आशीष द्वारा नियुक्त किया गया है। प्रत्येक पर्यवेक्षक को सर्वेक्षण के दिन 05 से 08 विद्यालयों का अनुश्रवण करने हेतु निर्देशित किया गया है।

इसके अतिरिक्त राज्य स्तर से भी सर्वेक्षण के दिन विद्यालयों का अनुश्रवण किया जायेगा। सर्वेक्षण को सफलता पूर्वक संचालित करने हेतु प्रत्येक विद्यालय में नियुक्त एफआई तथा संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य का एक दिवसीय प्रशिक्षण विकास खंड भिकियासैंण, सल्ट, स्याल्दे, द्वाराहाट, चौखुटिया एवं ताड़ीखेत का हाल ही में राइंका भिकियासैंण में आयोजित किया गया। एक फरवरी को विकास खण्ड हवालबाग, लमगड़ा, धौलादेवी, ताकुला एवं भैंसियाछाना का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन मुख्य शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक एनएएस जगमोहन सोनी के निर्देशन में अल्मोड़ा इंटर कालेज में किया गया। मुख्य शिक्षा अधिकारी द्वारा समस्त प्रतिभागियों को निर्देशित किया गया कि सर्वेक्षण को गम्भीरता से लेते हुए सर्वेक्षण हेतु विद्यार्थियों का चयन करें। सर्वेक्षण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

सर्वेक्षण के उपरांत समस्त सामग्री को यथासमय चयनित स्थल में जमा कराया जाए। एनएएस सर्वेक्षण हेतु चयनित विद्यालय 4 फरवरी को भी खुले रहेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक एचबी चंद ने समस्त प्रतिभागियों को एनएएस सर्वेक्षण से संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारियां प्रदान की। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण मुख्य शिक्षा अधिकारी जगमोहन सोनी, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक एचबी चंद, प्राचार्य डायट डॉ. राजेन्द्र सिंह एवं जिला संदर्भ व्यक्ति विनोद कुमार राठौर द्वारा दिया गया।

प्रशिक्षण में खंड शिक्षा अधिकारी पीएस जंगपांगी, हरीश सिंह रौतेला, भारत जोशी, डायट प्रवक्ता गोपाल सिंह गैड़ा, गोपाल गोस्वामी, धीरज कुमार, डॉ. हेम जोशी, हरीश सिंह खनी, सावित्री टम्टा, राजेश बिष्ट, सुशीला बोरा, विनोद कुमार भट्ट, सीमा जोशी, चन्द्रकांत तिवारी, डीडी तिवारी, एमडी चौबे आदि प्रधानाचार्य एवं एफआई उपस्थित थे। प्रशिक्षण का संचालन विनोद कुमार राठौर- जिला संदर्भ व्यक्ति ने किया।

आजीवन सहयोग निधि का लक्ष्य करें पूर्ण : पिलख्वाल

अल्मोड़ा। भाजपा मंडल भिकियासैंण की बैठक में जिलाध्यक्ष गोविंद पिलख्वाल ने आजीवन सहयोग निधि की समीक्षा कर कार्यकर्ताओं से तय सीमा के अंतर्गत लक्ष्य हासिल करने पर जोर दिया। भिकियासैंण के एक होटल सभागार में आयोजित बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष पिलख्वाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा एक राष्ट्रवादी दल है। विशिष्ट संगठनात्मक कार्यपद्धति के कारण विश्व की सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। उन्होंने पार्टी आजीवन सहयोग निधि की समीक्षा कर दस फरवरी तक निर्धारित लक्ष्य हासिल करने पर जोर देते हुये कहा कि पार्टी के कार्यक्रमों को संचालित करने के लिये भाजपा पारदर्शी कोष व्यवस्था को सुदृढ़ कर रही है। बैठक में प्रताप सिंह को मंडल में सर्वाधिक लोगों से आजीवन सहयोग निधि जमा करवाने पर सम्मानित किया गया। इस दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष माधो सिंह भण्डारी के निधन पर शोक व्यक्त कर पार्टी में उनके योगदान को सहरानीय बताया गया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष त्रिलोक सिंह, जिला महामंत्री प्रेम शर्मा, अनिल शाही, महेश नयाल, मदन महेरा, संतोष असनोड़ा, निर्मला शर्मा, गोपाल सिंह आदि मौजूद थे।

'नशा नहीं रोजगार दो' आंदोलन की 34वीं वर्ष गांठ पर विशेष

माफिया, नौकरशाह व राजनीति के जनविरोधी गठजोड़ का था प्रतिफल

अल्मोड़ा

उत्तरांचल दीप ब्यूरो

नशा नहीं रोजगार दो पदयात्रा (फाइल फोटो)।

- 34 साल पहले बसभीड़ा से हुई थी शुरुआत
- शराब विरोधी आंदोलन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

एक ओर प्रदेश में बदहाल स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार वहीं दूसरी और गांव-गांव में शराब पहुंचाने की सरकार की उदार नीति। इसके खिलाफ आज से 34 साल पहले नशा नहीं रोजगार दो आंदोलन की शुरुआत हुई थी। है। 2 फरवरी 1984 को अल्मोड़ा जिले के एक छोटे से गांव बसभीड़ा से शुरू हुआ 'नशा नहीं रोजगार दो' आंदोलन माफिया, नौकरशाहों एवं राजनीति के जन विरोधी गठजोड़ के खिलाफ एक सशक्त प्रतिरोध के रूप में सामने आया है।

हकीकत तो यह है कि प्रदेश की जनता नशा नहीं रोजगार दो जैसे आंदोलन चलाकर बता चुकी है कि वह क्या कर सकती है। गांव-गांव में स्वतः स्फूर्त चलने वाले महिलाओं के आंदोलन को कभी भाजपा-कांग्रेस जैसे राजनैतिक दलों ने कोई सहयोग नहीं दिया। अपनी जनविरोधी शराब नीति और शराब जनित अराजकता का नीतिगत हल ढूंढने के लिए प्रदेश की सरकारों और कथित जमीनी नेताओं ने भी कुछ नहीं किया। आज शराब, धन बल, बाहुबल और क्षेत्र व जातिवाद के दलदल में उत्तराखंड की जनता को पुनः धकेलकर ये राजनीतिक दल कथित तौर पर हमारे हितैषी बनने का प्रयास कर रहे हैं। इस आंदोलन ने कम से कम पहाड़ में इस बात को तो स्थापित ही किया कि नशा एक बोतल नहीं, एक राजनीति है। यह आंदोलन मादक द्रव्यों के खिलाफ इससे पूर्व चलने वाले आंदोलनों से वैचारिक रूप से ज्यादा स्पष्ट, गतिशील व तेजस्वी आंदोलनों में से एक था। आंदोलन इस बात को सामने लाने में सफल रहा कि शराब एक सामाजिक बुराई से कहीं अधिक एक राजनैतिक समस्या है। यदि इस पर कारगर रोक लगानी है तो शराब की बोतल से अधिक शराब की राजनीति से लड़ना होगा। बसभीड़ा से प्रारम्भ हुए आंदोलन की पृष्ठभूमि में उत्तराखंड में सामाजिक व राजनैतिक बदलाव के लिए सक्रिय युवाओं की सक्रियता का कम से कम एक दशक शामिल था। इस एक दशक में पर्वतीय युवा मोर्चा, ग्रामोत्थान छात्र संगठन से लेकर उत्तराखंड संघर्ष वाहिनी के नाम से काम करने वाले युवाओं ने पहाड़ों के ग्रामीण अंचलों की आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक व सांस्कृतिक परिस्थितियों को लंबी-लंबी पदयात्राओं के माध्यम से काफी हद तक समझ लिया था। यह वह दौर था, जब हमारे राजनेताओं द्वारा दिखाये गये सुंदर सपने बिखर रहे थे। हमारी यह आजादी जहां एक ओर ठेकेदारों, पूंजीपतियों, उनके दलालों व राजनीतिज्ञों के लिए प्राकृतिक व इंसानी लूट से मालामाल होने के रास्ते खोल रही थी, वहीं दो जून की रोटी के लिए हाड़तोड़ मेहनत करने वाली महिलाओं व बच्चों के लिए सुरा-शराब एक अभिशाप बन गई। जिसके कारण पर्वतीय क्षेत्रों में कलह, सामाजिक बिखराव, अपसंस्कृति, असामयिक मौतों, दुर्घटनाओं एवं अपराधों में भारी बढ़ोत्तरी हो रही थी। सुरा, शराब, अशोका लिक्विड व तरह-तरह के नशीले, मादक द्रव्यों से उत्तराखंड के बाजार, कस्बे भरे थे और इस नशे में डूबे उत्तराखंडी समाज की इस करुण पुकार को सुनने तथा इसकी आड़ में धड़ल्ले से हो रही लूट को रोकने में हमारी प्रशासनिक व्यवस्था व राजनैतिक प्रणाली अक्षम साबित हो रही थी। इसी दौर में उत्तराखंड संघर्ष वाहिनी ने 23-24 अप्रैल 1983 को अल्मोड़ा में पेशावर स्मृति समारोह पर एक सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन में उत्तराखंड व देश के करीब 400 प्रतिनिधियों ने गंभीरता पूर्वक विचार कर यह तय किया कि इस पर्वतीय भू-भाग की निराशा और हताशा को तोड़ने के लिए एक मजबूत आंदोलन की आवश्यकता है। सम्मेलन में वन-खनन व मादक द्रव्यों को लेकर इस प्रकार के आंदोलन को शुरू करने की संभावना को रेखांकित भी किया गया। यहां यह दर्ज करना आवश्यक है यह वही काल था जब उत्तराखंड के हर क्षेत्र में अंग्रेजी व देसी शराब की खुली बिक्री के साथ आयुर्वेदिक दवाओं के नाम पर बिकने वाली मृत संजीवनी सुरा, बायोटोनिक तथा एलोपैथिक दवा के नाम पर अनेक प्रकार के लिक्विड बाजार में भरे पड़े थे।

एक फरवरी 1984 को लोक वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने चौखुटिया बाजार में आबकारी विभाग के अधिकारियों व जवानों को शराब तस्करी की कोशिश में रंगे हाथों पकड़कर संघर्ष की शुरुआत कर दी। दो फरवरी को बसभीड़ा में सभा का आयोजन किया गया, जिसके लिए हाथ से बने पोस्टर चिपकाये गये थे। इस बीच गांव के बच्चों को व्यक्तिगत सफाई से लेकर गांव के रास्तों की सफाई, निर्माण एवं क्रान्तिकारी गीत सिखाये जा रहे थे। दो फरवरी से पहले ही बच्चे, जो 'शराब पीता है, वो परिवार का दुश्मन है', 'जो शराब बेचता है वो समाज का दुश्मन है,' 'जो शराब बिकवाता है वो राष्ट्र का दुश्मन है', 'नशे का प्रतिकार न होगा पर्वत का उद्धार न होगा' के नारे लगाने लगे थे। इससे पहले जनवरी 1984 में आंदोलन मुखर करने के प्रयासों में साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्था 'जागर' के साथियों का एक दल नैनीताल से गढ़वाल तक की पदयात्रा कर चुका था। इन नारों का प्रभाव उनके पिताओं पर दिखाई पड़ रहा था।

पीड़ित महिलाएं आंदोलन की ओर आकर्षित हो रही थीं। 2 फरवरी 1984 की शाम को बसभीड़ा में 'नशा नहीं रोजगार दो' आंदोलन की पहली सभा हुई और इस पहली सभा में इस क्षेत्र के तमाम लोगों एवं महिलाओं ने स्वयं को आंदोलन के लिए समर्पित कर दिया। इस सभा में बसभीड़ा क्षेत्र में जुए एवं शराब पर पूर्ण रोक लगाने की घोषणा की गयी व आंदोलन को तेज करने के लिए 14 फरवरी को बसभीड़ा से चौखुटिया में उत्तराखंड संघर्ष वाहिनी के आह्वान पर एक जोरदार प्रदर्शन हुआ- क्रमशः